बी-टू-बायपास से टोंक रोड जाने वालों की राह 'सुगम'

क्लोवर लीफ का कार्य पूरा होने में करीब डेढ़ माह का समय और लगेगा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । बी-टू-बायपास पर टोंक रोड पर वाहनों की सीधे आवाजाही गुरुवार से शुरू हो गई है। इससे पहले जे.डी.ए. अंडरपास भी शुरू कर चुका है। हालांकि, अभी क्लोवर लीफ का काम पूरा नहीं हो पाया है। माना जा रहा है कि जून के अंत तक जयपुर विकास प्राधिकरण (जे.डी.ए.) क्लोवर लीफ का काम पूरा कर देगा और उसके बाद इस चौराहे पर वाहन बिना रुके निकल सकेंगे।

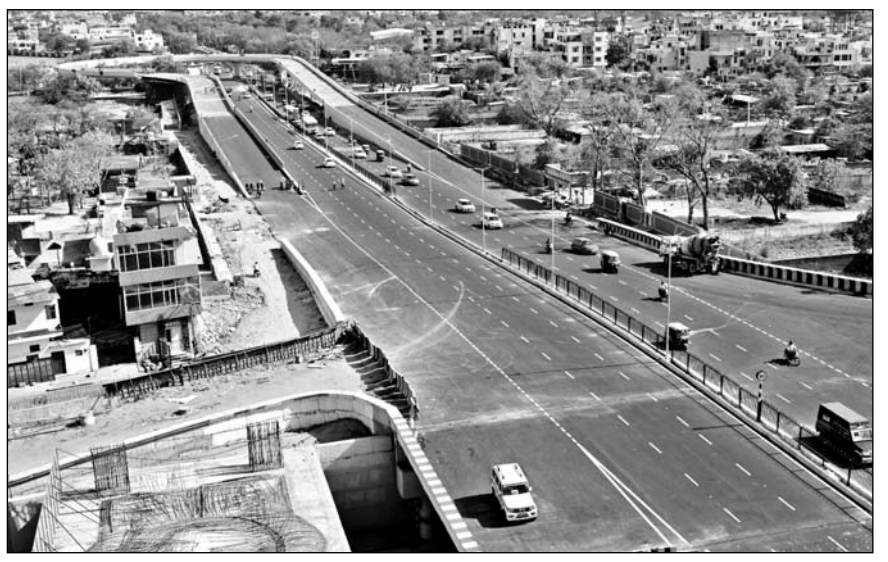

जे.डी.ए. आयुक्त मंजू राजपाल ने बताया कि यातायात सुधारीकरण एवं सौंदर्यकरण कार्य के तहत बी-टू-बाइपास चौराहे पर सड़क निर्माण से लेकर अन्य सिविल वर्क का काम पूरा हो चुका है। दुर्गापुरा एलिवेटेड रोड से सीधे सांगानेर आने-जाने के लिए 300 मीटर का रास्ता खोल दिया गया है। अभियांत्रिकी शाखा के निदेशक देवेंद्र गुप्ता ने बताया कि टोंक रोड पर सीधी आवाजाही शुरू होने से जवाहर सर्किल पर वाहनों का दबाव कम हो गया है। उन्होंने बताया कि सांगानेर से दुर्गापुरा आने-जाने के लिए वाहन चालक अंडरपास की छत के ऊपर से होकर सीधे निकलेंगे। सांगानेर से मालवीय नगर जाने के लिए वाहन चालक आश्रम मार्ग से निकलेंगे। क्लोवर लीफ के निर्माण होने तक आश्रम मार्ग पर पूर्व की भांति ही ट्रैफिक का संचालन रहेगा। दुर्गापुरा से मानसरोवर जाने के लिए वाहन चालक आश्रम मार्ग से जवाहर सर्किल होते हुए बी - 2 बायपास अंडर पास का उपयोग करते हुए मानसरोवर जा सकेंगे। सांगानेर से मानसरोवर जाने के लिए वाहन चालक स्लिप लेन का प्रयोग करेंगे।

ज्ञात रहे कि जयपुर विकास प्राधिकरण की ओर से बी-2 बाइपास सिग्नल फ्री प्रोजेक्ट को पिछले साल जुलाई तक पूरा किया जाना था, लेकिन प्रोजेक्ट में हुए आंशिक बदलाव की वजह से इसकी समय अवधि बढ़ाकर 30 जून 2024 कर दी गई है। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा अब तक प्रोजेक्ट के फेज वन अंडरपास और फेज टू दुर्गापुरा से सांगानेर के रूट को आम जनता के लिए शुरू कर दिया गया है। वहीं अब क्लोवर लीफ का निर्माण बाकी रहा है, जिसके पूरा होने के बाद ही जयपुराइट्स का लंबा इंतजार खत्म होगा।

स्कूली बच्चों में बढ़ता धूम्रपान का प्रचलन चिंताजनक

जयपुर । प्रदेश में 13 से 15 वर्ष के स्कूली बच्चों में तंबाकू एवं धूम्रपान का बढ़ता प्रचलन सभी के लिये चिंता का विषय है।

राज्य में जितने किशोर धूम्रपान करते हैं, उनमें से 93.8 प्रतिशत इसका इस्तेमाल स्कूलों में करते है। यह जानकारी वैश्विक युवा तम्बाकू सर्वे (जीवाईटीएस 2019) में सामने आई है। सवाई मानसिंह चिकित्सालय में ईएनटी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. पवन सिंघल ने गुरुवार को बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर तंबाकू उद्योग के दखल से बच्चों को बचाने का अभियान शुरु किया है। तंबाकू उद्योग मार्केटिंग के नए तरीकों से युवाओं को आकर्षित कर रहे हैं।

डॉ. सिंघल ने बताया कि जीवाईटीएस के अनुसार तंबाकू उद्योग अपने उत्पादों के प्रचार के नायाब तरीकों से युवा किशोर किशोरियों को अपनी और आकर्षित करते हैं। जिसका सीधा असर युवा वर्ग पर देखने को मिल रहा है। सर्वे में सामने आया कि राज्य में करीब 74.3 प्रतिशत किशोर एवं किशोरियों ने तंबाकू एवं अन्य संबंधित उत्पादों के प्रचार प्रसार को देखा है। वहीं 15.6 प्रतिशत किशोर एवं किशोरियों को ई सिगरेट के बारे में किसी तरह की जानकारी है। इसमें 17.2 प्रतिशत किशोर एवं 13.7 प्रतिशत किशोरियां शामिल हैं। उन्होंने बताया कि राज्य में 13 से 15 वर्ष के बच्चे जो तंबाकू उत्पादों का सेवन करते हैं, उनमें 93.8 प्रतिशत स्कूली बच्चे होते हैं। 16.3 प्रतिशत किशोर तंबाकू उत्पादों का सेवन किसी न किसी रुप में कर चुके हैं।

निम्स हॉस्पिटल में 57 वर्षीय मरीज की सफल न्यूरो इंटरवेंशन सर्जरी

मरीज के मस्तिष्क की दो धमनियां पूरी तरह ब्लॉक हो चुकी थी और एक धमनी 80 प्रतिशत ब्लॉक थी, इस कारण उन्हें बार-बार स्ट्रोक आते थे

जयपुर । निम्स हार्ट एंड ब्रेन हॉस्पिटल जयपुर द्वारा सफल न्यूरो इंटरवेंशन सर्जरी कर 57 वर्षीय व्यक्ति को ब्रेन स्ट्रोक से बचाया है। हॉस्पिटल के सेंटर चीफ एंड चीफ न्यूरोइंटरवेंशनलिस्ट, डॉ. मदन मोहन गुप्ता के नेतृत्व में एन.एच.बी.एच की टीम ने 57 वर्षीय मरीज मनोज भार्गव की स्टेंटिंग प्रक्रिया द्वारा विकट एंजियोप्लास्टी सफलतापूर्वक की है। इस सर्जरी में डिजिटल सब्ट्रैक्शन एंजियोग्राफी का उपयोग करके, मरीज के मस्तिष्क की ब्लॉक हुई रक्त वाहिका की सटीक पहचान की। मरीज को उनकी दाहिनी इंटरनल कैरोटिड धमनी (मस्तिष्क रक्त वाहिकाओं) के 80 प्रतिशत सिकुडन के कारण बार-बार होने वाले ट्रांसिएंट इस्केमिक अटैक (टीआईए) के लिए भर्ती कराया गया था।

डॉ. मदन मोहन गुप्ता ने बताया कि डिजिटल सबट्रैक्शन एंजियोग्राफी (डीएसए)/ सेरेब्रल एंजियोग्राफी सहित डायग्नोस्टिक इमेजिंग ने तीन धमनियों में पूरी तरह से ब्लॉकिंग दिखाई। जिसमें ब्रेन की दो धमनियां पूरी तरह ब्लाक हो चुकी थी और एक धमनी 80 प्रतिशत ब्लॉक थी। जिसकी वजह से मरीज को बार-बार स्ट्रोक आते थे। इससे पहले मरीज की धमनी की समस्याओं के कारण हार्ट की बाईपास सर्जरी भी हो चुकी है।

डीएसएब्लड वेसल्स में जाकर जांच करने में, सिर की नसों और पेट में जमने वाला थक्के को हटाने में, ब्रेन की नसों से ब्लॉकेज हटाने में, ज्यादा खून बहने पर लकवा मारने से रोकने में, ब्रेन और पेट की एंजियोग्राफी में, नसों को सिकुडऩे से रोकने में, ट्यूमर की जांच में, स्त्री रोगों की जांच के लिए किया जाता है। यह प्रक्रिया कैथ लैब में बिना चीर फाड़ के की जाती है, इसमें पैर की धमनी में एक कैथेटर (एक छोटी, पतली ट्यूब) डालना और इसे मस्तिष्क में रक्त वाहिकाओं तक पहुंचाना शामिल है। कैथेटर के माध्यम से एक कंट्रास्ट डाई इंजेक्ट की जाती है और ब्लड वेस्स्लेस का एक्स-रे किया जाता है।

डॉ. मदन मोहन गुप्ता ने बताया कि मनोज भार्गव की सफल सर्जरी से हम बहुत उत्साहित हैं। हमने सभी जांच करने के बाद, विशेष रूप से उनके सुगर को ध्यान में रखते हुए ही हाई रिस्क प्रोसीजर को करने का फैसला किया। और जाँच में पता चला कि मरीज को ब्रेन में खून की नसों में ब्लॉकेज होने से कभी भी बड़ा स्ट्रोक हो सकता था, बल्कि जान भी जा सकती थी, निम्स हार्ट एंड ब्रेन हॉस्पिटल हमेशा स्वास्थ्य सेवाओं में अपनी भागीदारी के लिए तत्पर रहता है। मरीज को अस्पताल द्वारा रेगुलर मोनिटरिंग कर उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया है और वो अगले सप्ताह से कही भी ट्रेवल कर सकते हैं, जिसके लिए उन्हें अस्पताल ने स्वीकृति दे दी गयी है। मरीज भार्गव ने डॉ. मदन मोहन गुप्ता और उनकी टीम को धन्यवाद देते हुए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, "मैं सर्जरी से बहुत संतुष्ट हूं। अब मैं बिना किसी जटिलता के यात्रा कर सकता हूं। डॉक्टरों ने मेरे लिए समस्या को सरल बना दिया और यहां की टीम वास्तव में विशेषज्ञ है।"

बेसहारा लोगों के लिए 6 स्थायी आश्रय स्थलों पर इंतजाम

जयपुर । नगर निगम ग्रेटर द्वारा भीषण गर्मी से गरीब, बेसहारा, आश्रयविहीन लोगों को राहत देने के लिये पहल की गई है। आयुक्त रूकमणि रियाड़ ने बताया कि नगर निगम द्वारा संचालित 6 स्थायी आश्रय स्थलों को हीटवेव से बचाने के लिये आश्रय स्थल बनाये गये है। इन आश्रय स्थलों में कूलर, पंखे, पेयजल व्यवस्था के साथ-साथ ओआरएस के पैकेट भी रखे गये है। यह आश्रय स्थल मालवीय नगर जोन, सांगानेर जोन, मानसरोवर जोन, जगतपुरा जोन में संचालित है। उपायुक्त एनयूएलएम रजनी माधीवाल ने बताया कि मालवीय नगर जोन के अन्तर्गत गांधी घर, बांगड़ अस्पताल परिसर जेएलएन रोड, लालकोठी महिला छात्रावास के पीछे, पुलिस मुख्यालय के पास सांगानेर जोन में स्टेडियम रोड पर स्थित है इसके अतिरिक्त जगतपुरा जोन के जगतपुरा रेलवे स्टेशन, मानसरोवर जोन का पुराना पंचायत भवन, भांकरोटा में संचालित स्थायी आश्रय स्थलों में गरीब, बेसहारा, आश्रयविहीन लोगों को हीटवेव से बचाये जाने के उपाय किये गये है। इन आश्रय स्थलों पर गरीब, बेसहारा, आश्रयविहीन परिवार, वृद्ध महिला पुरूष बच्चों के रहने की नि:शुल्क व्यवस्था की गई है।

"तपते हुए तन को मिल जाये तरुवर की छाया"

कड़ी धूप और लू के थपेड़ों में पेड़-पौधों की छांव का सहारा ढूंढ रहे राहगीर

जयपुर । नौतपा के छठे दिन भी जयपुर में गर्मी तेज रही। शहर का तापमान गुरूवार को 46 डिग्री दर्ज किया गया। भीषण गर्मी के बीच लू के थपेड़ों ने आमजन का हाल-बेहाल कर रखा है। एयर-कंडीशनर और कूलर भी फेल साबित हो रहे हैं।

तेज धूप के कारण सड़कों पर लोग गर्मी से परेशान होते दिखे। बस स्टॉप पर खड़े लोगों का हाल

- **जयपुर का पारा 46 डिग्री पर रहा, मौसम विभाग के मुताबिक अगले 3 दिन धूलभरी आंधी के साथ बारिश की संभावना है**

ज्यादा बुरा है, यहां छांव की व्यवस्था नहीं होने क कारण गंतव्य स्थानों पर जाने वाले लोगों को परेशान होना पड़ रहा है। गुरूवार को कनक घाटी स्थित काल महादेव बावड़ी और गलताजी कुंड पर लोगों की भीड़ नजर आई। यहां स्थानीय लोग गर्मी से राहत पाने के लिए नहाने पहुंचे।

जयपुर में पिछले 6 दिनों से दिन की तरह रात भी गर्म रही है। यहां रात का तापमान 30 डिग्री से ऊपर रिकॉर्ड किया जा रहा है। एक दिन पहले न्यूनतम तापमान 33.2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया था। आज 0.6 डिग्री की गिरावट के साथ 32.6 दर्ज किया गया।

मौसम केन्द्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि एक वेस्टर्न डिस्टर्बेंस 31 मई से उत्तर भारत में एक्टिव होगा। इस सिस्टम के प्रभाव से पाकिस्तान, राजस्थान, पंजाब की सीमा पर एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन बनेगा। इस सिस्टम के प्रभाव से जयपुर में 31 मई, 1 जून और 2 जून को दोपहर बाद धूलभरी आंधी चल सकती है। इसके साथ ही मेघगर्जन के साथ जयपुर में कहीं-कहीं हल्की बारिश या बूंदाबांदी होने की भी संभावना है।

भीषण गर्मी में सड़क पर खड़े रहकर अपने गंतव्य स्थान के लिए वाहन का इंतजार कर रहे इस व्यक्ति को डिवाइडर पर लगे इस पौधे की छांया ऐसे ही सकून दे रही हैं, जैसे भगवान की शरण में मन को सकून मिलता है। फोटो: दिनेश भारद्वाज

मौसम विभाग की मानें तो गुरूवार को फतेहपुर शेखावाटी में 48.4, पिलानी में 48.2, चूरू में 47.7, अलवर और करौली में 47.5, धौलपुर में 47.3, वनस्थली में 47.2, फलौदी में 47, जयपुर में 46, कोटा में 46.3, जैसलमेर में 46.5, बीकानेर में 46.2, श्रीगंगानगर में 46.9, हनुमानगढ़ में 46.3, सीकर में 45.3, अंता-बांरा में 45, बाड़मेर में 42.8 डिग्री पारा रिकॉर्ड हुआ।

ग्लेनमार्क ने उच्च रक्तचाप के बारे में जागरूक किया

जयपुर । ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स कंपनी ने मई माह को हाइपरटेंशन अवेयरनेस मंथ (उच्च रक्तचाप जागरूकता माह) के रूप में मनाया है। इसके लिए ग्लेनमार्क ने देशभर के 250 से अधिक शहरों और कस्बों के 1000 से अधिक हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स के साथ साझेदारी की।

इसके साथ ही, 400 से अधिक सार्वजनिक जागरूकता रैलियों और जाँच शिविरों का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य उच्च रक्तचाप के बारे में लोगों को जागरूक करना रहा। इन रैलियों में जानकारी के लिए सामान्य सत्र शामिल थे, जिनका नेतृत्व एचसीपी द्वारा किया गया। इस पहल के माध्यम से, ग्लेनमार्क ने 60 लाख लोगों तक अपनी पहुँच स्थापित की और इस बीमारी के बारे में उन्हें जागरूक किया। ग्लेनमार्क इंडिया फॉर्म्यूलेशन्स के हैड और अध्यक्ष आलोक मलिक ने बताया कि भारत में 18 वर्ष से अधिक उम्र के युवाओं और भारतीय आबादी को उच्च रक्तचाप की बीमारी से होने वाले खतरे से अवगत कराना बेहद महत्वपूर्ण है। कंपनी ने यह जागरूकता अभियान शुरू करने के बाद दुनिया का पहला हाइपरटेंशन जागरूकता प्रतीक "द बीपी" लोगो लॉन्च किया था।

सार-समाचार

उपमुख्यमंत्री से मिले किसान प्रतिनिधि

जयपुर । उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचन्द बैरवा से गुरूवार को फागी एवं दूदु से आए सैकडों किसानों के प्रतिनिधि मण्डल ने मुलाकात की। किसानों ने उपमुख्यमंत्री को फसलों से हुए नुकसान से अवगत कराया। किसानो ने उपमुख्यमंत्री से फसलों को हुए नुकसान के लिए प्रधानमंत्री कृषि योजना के तहत् मुआवजा दिलवाने की मांग की। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान अन्नदाताओं का प्रदेश है। प्रदेश सरकार किसानों के प्रति संवेदनशील है। उन्होने किसानों को उनकी हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

मोटे अनाज के व्यंजन बनाना सीखा

जयपुर । मानव सेवा ट्रस्ट राजस्थान की ओर से सीतापुरा स्थित नोवोटेल होटल में एक दिवसीय व्यंजन व कुकिंग प्रशिक्षण रखा गया । महासचिव दुर्गा वर्मा ने बताया महिलाओं को मोटे अनाज से विभिन्न प्रकार के व्यंजन बनाना सिखाया गया जिसमें उन्होंने मठरी, ढोकला, पापड़, जेम, बिस्किट के साथ-साथ अचार व केक बनाना भी सीखा। स्वास्थ्य कल्याण होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं रिसर्च सेंटर में वरिष्ठ आचार्य एवं ट्रस्ट मीडिया प्रभारी प्रो. डॉ. राजीव सक्सेना ने अवगत कराया कि एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में 35 महिलों ने भाग लिया जिसमें विभिन्न उत्पादों को बनाने संबंधित जानकारियां प्रदान की गई । इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को स्वरोजगार शुरू करना व स्वावलंबन तथा आत्मनिर्भर होने के लिए प्रेरित करना है । ट्रस्ट द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं को विभिन्न व्यावसायिक प्रशिक्षण दिलवाकर आर्थिक सशक्त बनाने के साथ साथ उनमें क्षमता निर्माण भी किया जा रहा है। होटल निदेशक जूही पेट्रीक ने पोषक तत्वों से भरपूर भोजन के साथ ही स्वस्थ जीवन शैली के लिए भी प्रेरित किया गया । इस अवसर पर संगीता सक्सेना, अंजू वर्मा, विद्या देवी, ज्योति, मीनाक्षी, ममता देवी, पुष्पा, होटल प्रबंधक प्रतिभा जायसवाल, दिपेश सिंह राव आदि उपस्थित रहे ।

'सेवानिवृति ग्रेच्युटी बढ़ाए राज्य सरकार'

जयपुर । केंद्र सरकार द्वारा केंद्रीय कर्मचारियों अधिकारियों के लिए महंगाई भत्ता 46 परसेंट से 50 प्रतिशत किए जाने के संदर्भ में एक आदेश निकालकर सेवानिवृत्ति पर मिलने वाली ग्रेच्युटी की अधिकतम सीमा 20 लाख से बढ़ाकर 25 लाख कर दी है। अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ एकीकृत के प्रदेश अध्यक्ष गजेंद्र सिंह राठौड़ ने इसका स्वागत करते हुए व्यक्तव्य जारी किया कि केंद्र सरकार द्वारा महंगाई भत्ता 50 प्रतिश हो जाने पर गए सेवानिवृत्ति ग्रेच्युटी की सीमा अधिकतम 20 लाख से बढ़कर 25 लाख किया, जो प्रशंसनीय है । यद्यपि इसी के अनुरूप 50 प्रतिशत महंगाई भत्ते को मूल वेतन में शामिल करते हुए अन्य भत्ते भी बढ़ाए जाने हैं। राज्य कर्मचारियों के लिए प्रतिदिन कभी वेशभूषा, तो कभी हाजिरी और कभी अनिवार्य सेवा निवृत्ति के आदेश निकालने वाली सरकार ने अभी तक विभिन्न संवर्गों की वेतन विसंगतियां दूर करने एवम् अन्य मांगों के समाधान की कार्यवाही तो प्रारंभ नहीं की है लेकिन अपेक्षा है कि ऐसा ही एक आदेश तुरंत राज कर्मियों के लिए भी निकाले। राजस्थान राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेश महामंत्री देवेंद्र सिंह नरूका ने भी मांग की है कि राज्य सरकार द्वारा भी राज्य कर्मियों के लिए सेवानिवृत्ति पर मिलने वाली ग्रेच्युटी की अधिकतम सीमा को 20 लाख से बढ़कर 25 लाख किए जाने के आदेश तत्काल प्रभाव से निकाले जाने चाहिए जो की केंद्र के समान राज्य कर्मियों के लिय भी एक जनवरी 2024 से लागू हो।

फायर सेफ्टी में कमी पर चालान काटा

जयपुर । नगर निगम हैरिटेज ने अग्निशामक सुरक्षा यंत्रों में खामी पाए जाने पर गुरुवार को 25 कॉमर्शियल भवनों के खिलाफ कार्रवाई की है। आयुक्त अभिषेक सुराणा के निर्देश पर आदर्श नगर जोन एवं फायर उपायुक्त युगांतर शर्मा के नेतृत्व में चालानी कार्रवाई की गई है। इस संबंध में उपायुक्त फायर युगांतर शर्मा ने बताया कि निगम आयुक्त अभिषेक सुराणा के निर्देश पर फायर शाखा के अधिकारियों के साथ गुरुवार को हेरिटेज निगम क्षेत्र में चारों जोन में 70 कॉमर्शियल भवनों का औचक निरीक्षण किया गया। जिनमें 22 भवनों में फायर सेफ्टी में खामी नजर आई। ऐसे में हेरिटेज निगम की ओर से सभी 25 भवनों का 5-5 हजार रूपए का चालान किया गया। उन्होंने भवन मालिक का सख्त निर्देश भी दिए कि भविष्य में खमियां नहीं सुधारी गई तो सीजर की कार्रवाई की जाएगी।

जयपुर में देशभर के 200 मनोविशेषज्ञ जुटेंगे

राजधानी में 'राजमिडसाइकोन' कॉफ्रेंस 1 व 2 जून को आयोजित होगी

जयपुर । राजधानी जयपुर में अनंता रिसोर्ट में राजमिडसाइकोन का 1 व 2 जून को आयोजन किया जा रहा है। जिसकी थीम कंसल्टेशन लाइजन साइकियाट्रि है। इस कॉन्फ्रेंस में देश के लगभग 200 मनोविशेषज्ञ भाग लेंगे जिसमे से लगभग 100 पीजी रेजिडेंट्स भी शामिल हैं ।

जयपुर के अशोक क्लब में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में इण्डियन साइकियाट्रिक सोसाइटी राजस्थान चैप्टर के अध्यक्ष डॉ. अखिलेश जैन व राजमिडसाइकोंन 2024 के अध्यक्ष डॉ. अनिल ताम्बी ने बताया कि कंसल्टेशन लाइजन साइकियाट्रि में मेडिकल कॉलेज एवं जनरल हॉस्पिटल के मनोचिकित्सकों की आपसी भागीदारी के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा की जाएगी। मनोचिकित्सकों का दूसरे विभागों जैसे मेडिसिन, कार्डियोलॉजी, न्यूरोलॉजी, एंडोक्रिनोलॉजी के साथ कैसे आपस में सामंजस्य बिठाया जा सकता है तथा कैसे आवश्यकता अनुसार मनोरोगियों को रेफर किया जा सकता है। इस पर चर्चा होगी।

इण्डियन साइकियाट्रिक सोसाइटी राजस्थान चैप्टर के अध्यक्ष डॉ. अखिलेश जैन व राजमिडसाइकोन 2024 के अध्यक्ष डॉ. अनिल ताम्बी व तुषार जगावत ने कॉफ्रेंस के बारे में जानकारी दी।

इसके अलावा नशारोगों के उपचार पर भी पैनल डिस्कशन एवं ओपन हाउस द्वारा चर्चा होगी। जिसमें की रिटायर्ड जज, अधिवक्ता एवं सीनियर मनोचिकित्सकों का पैनल रहेगा। डॉ. अनिल ताँबी व तुषार जगावत ने बताया कि इस कॉन्फ्रेंस में मनोचिकित्सकों द्वारा डीएडिक्शन एवं अन्य मनोरोगों के उपचार के लिए आवश्यकता अनुसार जो दवाईयां दी जाती हैं, उनको लेकर जो भ्रम की स्थिति है उस पर भी ओपन हाउस चर्चा होगी। इसमें रिटायर्ड जज, अधिवक्ता व सीनियर मनोचिकित्सक एवं पीजी स्टूडेंट्स विस्तारपूर्वक विचार विमर्श करेंगे। डॉ. अनिल ताम्बी व डॉ. अखिलेश जैन ने बताया कि इस कॉन्फ्रेंस के दौरान सिंपोजियम, गेस्ट लेक्चर, ओपन हाऊस डिस्कशन, पैनल डिस्कशन, पीजी क्वीज तथा पीजी रेजिडेंट्स द्वारा पेपर व पोस्टर भी प्रस्तुत किए जायेंगे। कांफ्रेंस में सचिव डॉ. जितेंद्र जिंगर, एवं सचिव डॉ. तुषार जागावत तथा अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

- **कॉन्फ्रेंस में लगभग 100 पीजी रेजिडेंट्स भी शामिल**

नृसिंह भगवान की दहाड़ से गूंजेगा चांदपोल

जयपुर । चांदपोल बाजार के नींदड़ रावजी का रास्ता स्थित मंदिर श्री नृसिंह जी अग्रवाल पंचायत समिति का तीन दिवसीय पाटोत्सव 1 से 3 जून तक मंदिर महंत पं. मनमोहन शर्मा के सान्निध्य में विभिन्न कार्यक्रमों के साथ मनाया जाएगा।

अग्रवाल पंचायत समिति, जयपुर के अध्यक्ष चेतन अग्रवाल ने बताया कि गुरुवार को आयोजन से जुड़े लोगों की बैठक हुई। मंत्री कैलाश अग्रवाल और कार्यक्रम संयोजक मनोज अग्रवाल की अगुवाई में समिति के सभी पदाधिकारी आयोजन की तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। आयोजन के अंतर्गत एक जून को शाम छह बजे नृसिंह लीला होगी। भक्त प्रहलाद की रक्षा के लिए भगवान नृसिंह खंब फाड़कर प्रकट होंगे। गाजे-बाजे के साथ नृसिंह भगवान की स्वरूप झांकी मंदिर से रवाना होकर चांदपोल के विभिन्न मार्गों से गुजरेगी। मार्ग में रंगीन आतिशबाजी की जाएगी। चांदपोल बाजार स्थित रामचंद्रजी मंदिर, हनुमानजी मंदिर, सतगुरु मंदिर सहित जगह-जगह नृसिंह भगवान की आरती की जाएगी। विभिन्न मार्गों से होते हुए नृसिंह भगवान पुन: मंदिर पहुंचेंगे। यहां महाआरती होगी। दूसरे दिन दो जून को वराह लीला का मंचन होगा। धरती को रसातल में जाने से बचाने के लिए भगवान विष्णु वराह का अवतार लेंगे। इस झांकी का भी सजीव मंचन होगा। पाटोत्सव के तीसरे और अंतिम दिन भगवान नृसिंह का सुबह नौ बजे से अभिषेक किया जाएगा। पं. उमेश मिश्रा के आचार्यत्व के पांच विद्वान दूध, दही, घी, शहद, बूरा, फलों के रस, सर्वोषधि, गंगा जल, केवड़ा जल सहित अनेक सुगंधित द्रव्यों से अभिषेक करेंगे। शाम को मंदिर में फूल बंगला झांकी सजाई जाएगी। विभिन्न मंदिरों के संतों-महंतों के सान्निध्य में संगीतमय महाआरती होगी। इस मौके पर जनप्रतिनिधि, व्यापार मंडल पदाधिकारी व गणमान्यजन मौजूद रहेंगे।

- **नृसिंह मंदिर का तीन दिवसीय पाटोत्सव कल से**

छोटों ने किया साष्टांग प्रणाम तो बड़ों ने दिया आशीर्वाद

जयपुर। नया दृष्टिकोण वाले शिविर में गुरुवार को भवानी निकेतन परिसर सीकर रोड में अनूठा दृश्य देखने को मिला। यहां मंच से सन टू ह्यूमन की ओर से मां गार्गी ने परिवार का महत्व बताया और बड़ों को परिवार में सभी को कैसे मार्गदर्शन करना है यह भी समझाया। इस मौके पर उपस्थित अपने से कम उम्र के लोगों ने बड़ों को साष्टांग प्रणाम किया वहीं बड़ों ने भी आशीर्वाद देते हुए उन्हें गले लगा लिया। ऐसा दृश्य सबके सामने था, जिसमें सभी अपने बन गए और गले लगकर एक दूसरे का अभिवादन किया। इस अपनेपन के भावों के साथ ही कई साधकों की आंखों से आंसू टपक पड़े।

मां गार्गी ने बताया कि हम आज मोबाइल, कंप्यूटर और ऐशो- आराम के कारण अपनों को भूल गए है। लंबे समय तक परिवार में बातचीत नहीं होना इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। आज व्यक्ति को मशीनरी से इतना लगाव हो गया है कि वह अपने बच्चों से भी बात करने का समय नहीं निकाल पा रहा है, इससे दूरियां बढ़ रही है। मां गार्गी ने शरीर के मुख्य भाग ब्रेन के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा आंखों की उर्जा ब्रेन तक लेकर जाना, हर समस्या का समाधान हमारा ब्रेन ही करता है इसी को समाधि कहा गया है। हम सोचते हैं कि समाधि का मतलब क्या है। जिस व्यक्ति को हर समस्या का समाधान आता है, वह बहुत ही गहरा व्यक्ति है। उन्होंने कहा सबसे बड़ी समस्या तो वह है जो आप लोग हर दिन क्रिएट करते हैं, आपको यही पता नहीं कि भोजन कैसे करना है, हर दिन नई बीमारी को नासमझी के कारण अपने अंदर प्रवेश करवाते हैं। जिस चीज को भोजन में शामिल नहीं करना उसे नासमझी के कारण ले लेते हैं। मीडिया प्रभारी राजेश नागपाल ने बताया कि इस दौरान गार्गी मां ने शरीर को सही रखने के प्रयोग भी करवाएं। आयोजन से जुड़े संजय महेश्वरी अजय मित्तल नरेंद्र वैद्य आलोक तिजारिया राजेश नागपाल विवेक लड्ढा प्रमोद मालपानी ने बताया। सभी साधकों ने मां गार्गी के निर्देशन में सूर्य वंदना, नटराज ध्यान, नाभि झटका और लंबी गहरी श्वास के प्रयोग करवाएं। इस दौरान मंच पर लोगों से ऊर्जा से संबंधित प्रश्न- उत्तर भी किए।